P: ISSN NO.: 2394-0344 RNI No.UPBIL/2016/67980 VOL-3* ISSUE-6* September- 2018
E: ISSN NO.: 2455-0817 *Remarking An Analisation*

नये सूचना माध्यम तकनीक की सामाजिक अन्तर्क्रिया एवं प्रभाव : एक विश्लेषण

अरविन्द कुमार सिंह
असिस्टेंट प्रोफेसर,
पत्रकारिता एवं जनसंचार विभाग,
बीबीए केन्द्रीय विश्वविद्यालय,
लखनऊ

सारांश

नये माध्यमों का समाज पर विविध प्रकार से प्रभाव पड़ रहा है। इसके बारे में काफी अध्ययन कार्य किये जा रहे हैं। इससे इसके प्रभाव के सकारात्मक एवं नकारात्मक प्रभावों के बारे में विस्तार से प्रकाष पड़ता है। प्रस्तुत शोधपत्र में नये माध्यमों के समाज पर पड़ने वाले विविध प्रकार के सकारात्मक एवं नकारात्मक सामाजिक अन्तर्क्रियाओं के बारे में प्राप्त विभिन्न प्रकार के प्रभावों का विश्लेषणात्मक ढंग से चर्चा की गयी है।

मुख्य शब्द : नये माध्यम, सामाजिक अन्तर्क्रिया, प्रभाव, विश्लेषण।

प्रस्तावना

नये सूचना माध्यम तकनीक को न्यू मीडिया तकनीक के रूप में भी जाना जाता है। इन नये माध्यमों को कई प्रकार से परिभाशित किया गया है। किन्तु कोई भी परिभाशा अपने आप में पूर्ण नही कही जा सकती है। फिलहाल इसके अन्तर्गत इस्तेमाल में लाये जाने वाले वे सभी संचार के तौर तरीके आते हैं, जिनका इस्तेमाल वर्तमान में विविध प्रकार की सूचनाओं को पाने, लोगों के साथ उसकी भागीदारी करने के लिए किया जाता है। इस प्रकार इन्टरनेट, वेबसाइट, मल्टीमीडिया, कम्प्यूटर गेम, सीडी, रोम आदि न्यू मीडिया के तकनीक रूप में कहे जा सकते हैं। न्यू मीडिया तकनीक के अन्तर्गत किसी भी प्रकार की सूचना को तत्काल एवं कही पर भी पाने की सुविधा रहती है। इसमें से अधिकतर डिजिटल फार्म में होते हैं। डिजिटल टेक्स्ट, इमैज, आडियो को विविध प्रकार से परिवर्तित किया जा सकता है। ये नेटवर्क के तौर पर जोड़े जा सकते हैं और कम्प्रेस किये जा सकते हैं। इस प्रकार वे उत्पाद एवं सेवा जो कि इन्टरनेट एवं कम्प्यूटर आदि जैसे उपकरणों की मदद से सूचना एवं मनोरंजन उपलब्ध कराते हैं, वे न्यू मीडिया के अन्तर्गत आते हैं। (Cambridge Dictionary)

न्यू मीडिया में इतने प्रकार की सुविधाएं हैं कि वे वर्तमान जीवन का एक बहुत ही आवष्यक एवं महत्वपूर्ण अंग बन गये हैं। पूरी दुनिया में इसकी लोकप्रियता एवं उपयोगिता बढ़ती जा रही है। भारत जैसे देश में भी इन सूचना माध्यमों की लोकप्रियता में लगातार बढ़ोत्तरी हो रही है। इसके इस्तेमाल करने वालों की संख्या में भी वृद्धि हो रही है। 'ग्लोबल सोशल मीडिया रिसर्च समरी' में इसके विविध पक्षों के बारे में विस्तार से जानकारी दी गयी है। (देखें–ग्लोबल सोशल मीडिया रिसर्च समरी, 2017 रिपोर्ट) विविध प्रकार के अध्ययन रिपोर्ट से यही ज्ञात होता है कि आने वाले दिनों में यह प्रक्रिया जारी रहेगी। न्यू मीडिया के अन्तर्गत उपयोग में किये जाने वाले सभी प्रकार के उपकरणों की संख्या में लगातार वृद्धि भी हो रही है। आये दिन इसमें नये ढंग की सुविधाएं भी जुड़ती जा रही हैं। इस कारण से यह पहले से कही अधिक उपयोगी भी होते जा रहे हैं। इन्टरनेट एंड मोबाइल एसोसिएषन आफ इंडिया की एक रिपोर्ट कें अनुसार जून, वर्श 2017 तक भारत में मोबाइल इन्टरनेट उपयोग करने वालों की संख्या 42 करोड़ है। ग्रामीण क्षेत्र में इसका प्रचलन बहुत ही तेजी के साथ बढ़ रहा है। (AIMAI Report , 2017)

न्यू मीडिया वर्तमान मुख्य धारा की मास मीडिया से कई मामलों में भिन्न होता है। यह भिन्नता कई स्तरों पर होती हैं। उदाहरण के लिए यह यह द्विपक्षीय एवं बहुपक्षीय होता है, इसकी भागीदारी की जा सकती हैं। इन सूचनाओं को कहीं पर एवं किसी भी समय प्रेशित किया जा सकता है। इनका संग्रह किया जा सकता है। किन्तु अब पारम्परिक मीडिया भी न्यू मीडिया का एक अभिन्न अंग बनते चले जा रहे हैं।

न्यू मीडिया के सन्दर्भ में एक बहुत ही महत्वपूर्ण पक्ष यह भी है कि यह समाज में किस प्रकार नवीनता लाता है, बजाय इसके कि इस तकनीक की

सुविधा पर बातें किया जाना जरूरी है। (Terry Flew, 2000) यह बात अपने आप में इसलिए महत्वपूर्ण है, क्योंकि अन्ततः नये तकनीक का प्रभाव ही मायने रखता है। बीबीसी के निदेशक आस्ले हाईफिल्ड (Ashley Highfield, 2003) के अनुसार डिजिटल तकनीक पारम्परिक टीवी माध्यम पर काफी अधिक प्रभाव डाल रहा है। नये माध्यम तकनीक सामाजिक ढॉचे पर भी विविध प्रकार से अपना प्रभाव डाल रहे हैं। यह लोगों के बीच किये जाने वाले अन्तर्क्रिया के स्वरूप को बदल रहे हैं। यह परिवार के दूर रहने वाले सदस्यों के बीच संवाद को बढ़ाने में मदद कर रहे हैं। प्रस्तुत शोध लेख में न्यू मीडिया, जिसके अन्तर्गत मुख्य तौर पर डिजिटल तकनीक आते है, उसके समाज पर पड़ने वाले विविध प्रकार के प्रभाव की विस्तार से चर्चा की गयी है।

साहित्यावलोकन

न्यू मीडिया के प्रभाव के बारे में काफी शोध किये गये हैं। इसके माध्यम से समाज में मानव जीवन के विविध पक्षों पर पड़ने वाले प्रभाव के बारे में अध्ययन किया गया है। इसमें सभ्यता, संस्कृति, सामाजिक अपराध, आर्थिक क्रिया कलाप, राजनीति, मानव स्वास्थ्य, विभिन्न उम्र के व्यक्तियों, संचार के तौर तरीकों पर पड़ने वाले प्रभाव के बारें में काफी अध्ययन किया गया है। इन सभी अध्ययनों में एक तरफ इसके सकारात्मक पक्ष उभर करके सामने आये हैं, वही पर इसके नकारात्मक पक्षों की भी काफी विषद् चर्चा की गयी है। (Jacob Amedie, Santa Clara, 2015)

v/;;u dk mद्देश्य

इस अध्ययन का मुख्य उद्देश्य न्यू मीडिया के प्रभाव के बारे में जानकारी प्राप्त करना है। इसके अन्तर्गत यह जानने का प्रयास किया गया है कि न्यू मीडिया के कारण मानव के सामाजिक जीवन के विविध आयामों पर किस प्रकार से प्रभाव पड़ा है।

अध्ययन विधि

इस अध्ययन के लिए मुख्य तौर पर साक्षात्कार एवं निरीक्षण विधि का इस्तेमाल किया गया है। इसके अन्तर्गत समाज के विविध क्षेत्रों से सम्बन्ध रखने वालों से असंरचित प्रश्नावली के माध्यम से साक्षात्कार किया गया है और इसी के साथ द्वितीयक सामग्री के तौर पर उपलब्ध विविध प्रकार के सामग्री का निरीक्षण करके उससे जानकारी प्राप्त की गयी है। इसमें गुणात्मक ढंग का इस्तेमाल किया गया है।

नये सूचना माध्यमों का प्रभाव एवं अन्तर्क्रिया का विश्लेषण –

समाज में तकनीकों का ही सबसे अधिक प्रभाव पड़ता है। उससे ही समाज के मूलभूत ढॉचे एवं तौर तरीके में बदलाव उत्पन्न होता है। समय समय पर विज्ञान के अन्तर्गत आविश्कार किये गये उपकरणों से समाज में काफी बदलाव आया है। यही बात नये सूचना तकनीकों के सन्दर्भ में भी लागू होती है। नये सूचना माध्यमों ने समाज पर विविध प्रकार से प्रभाव डाला है जो कि विविध रूपों में है। इसने संचार के दायरे को काफी विस्तृत कर दिया है। अब लोगों द्वारा किया जाने वाला संचार स्थानीय एवं क्षेत्रीय स्तर से उठ करके ग्लोबल स्वरूप धारण कर लिया है। इसने सीखने के तौर तरीके को भी बदल करके रख दिया है। यह बहुत से कार्य करने के ढंग को भी प्रभावित किया है। अब कोई व्यक्ति हजारों किलोमीट दूर रह करके भी बहुत प्रकार के क्रिया कलाप कर सकता है। (Sagarmay Deb, 2014)

न्यू मीडिया ने प्रत्येक व्यक्ति को प्रकाषक एवं वितरक भी बना दिया है। वह कहीं से भी एवं किसी भी प्रकार की सूचना को एकत्र एवं वितरित कर सकता है। वह अपने मनोभावनाओं को अधिकतम लोगों के समक्ष प्रेशित कर सकता है। नये माध्यमों ने हमारे जीवन को काफी अधिक सरल एवं आसान बना दिया है। इसके पक्ष में तमाम प्रकार की बातें कही जा सकती हैं। न्यू मीडिया एवं विशेष करके सोशल मीडिया ने समाज, राजनीति, व्यापार के क्रिया कलाप एवं सामाजिकरण की प्रक्रिया पर प्रभाव डाला है। वर्तमान में हमारा समाज लेखन, प्रकाशन के माध्यम से सन्देश प्रेशण की बजाय तत्काल सन्देश सम्प्रेशण की तरफ चला गया है। ई मेल, ब्लॉगिंग, चैटिंग, ट्वीटिंग आदि न्यू मीडिया के एक बहुत ही महत्वपूर्ण अंग बन गये हैं। इससे तत्काल सन्देश दिये जा सकते हैं। स्मार्टफोन में इतने प्रकार की सुविधाएं आ गयी हैं कि उसके माध्यम से विविध तरीकों के ऐसे कार्य किये जा सकते हैं जो कि पहले बिल्कुल असंभव दिखते रहे हैं। न्यू मीडिया के माध्यम से अब लोगों को असीमित सूचना स्रोत के साधन मिल जाने के कारण से समाज में लोगों द्वारा इसका असीमित ढंग से उपयोग भी किया जा रहा है। इस कारण से लोगों के बीच सामाजिक अन्तर्क्रियाएं काफी अधिक होने लगी हैं। न्यू मीडिया ने लोगों के आपसी सन्देश सम्प्रेशण की प्रक्रिया को काफी अधिक बढ़ावा दिया है। अब लोग पहले की तुलना आपस में काफी अधिक एवं तत्काल अन्तर्क्रिया करते हैं। (Hakim Khalid Mehraj, Akhtar Neyaz Bhat , Hakeem Rameez Mehraj, 2014)

वर्तमान जनमाध्यमों पर प्रभाव

न्यू मीडिया का विविध प्रकार के वर्तमान उन जनमाध्यमों पर प्रभाव पड़ रहा है जो कि एक लम्बे समय से उपयोग किये जा रहे हैं। (Lavanya Rajendran and Preethi the Singharaja, 2014) इसने रेडियो, टीवी, प्रिंट माध्यमों के उपयोग एवं प्रस्तुति के तौर तरीकों को बदल दिया है। इसकी मदद से लोग वर्तमान पारम्परिक माध्यमों का बेहतर ढंग से और काफी अधिक मात्रा में उपयोग करने में सक्षम हो रहे हैं। न्यू मीडिया ने स्वयं इन माध्यमों के कार्य प्रणाली को बदल करके रख दिया है। ये एक तरफ उन्हे बेहतर स्वरूप दिया है, वही उनके लिए विविध प्रकार की चुनौती भी खड़ी किये हैं। अब उन्हे स्वयं में लगातार बदलाव करके उसे नये मीडिया तकनीक के साथ कदम मिला करके चलना आवष्यक हो गया है। वे न्यू मीडिया तकनीक का अधिकतम इस्तेमाल कर लेना चाहते हैं। चीन जैसे देश में भी समाचारपत्र के प्रकाशन संख्या पर इसका काफी प्रभाव पड़ा है। (Lovemore Chokova, 2016) इसने मीडिया के विविध प्रकार के क्रिया कलापों जैसे रिपोर्टिंग, समाचार वितरण, समाचार की संख्या आदि को काफी बढ़ा दिया है। न्यू मीडिया का

वर्तमान जनमाध्यमों पर पड़ने वाले प्रभाव स्वयं अपने आप में शोध के विषय बन गये हैं।

पत्रकारों के किया कलाप एवं समाचार पर इसके प्रभाव के कई रोचक तथ्य सामने आये हैं। सोशल मीडिया पर दिये गये समाचार की पुश्टि किये बगैर उसे दे देना एक सामान्य आदत बन गयी है और उसकी सत्यता की जॉच बाद में की जाती है। इस पर पत्रकारिता में नियम की बाध्यता भी नही महसूस की जाती है। सोशल मीडिया पर पोस्ट की गयी सामग्री के भविष्य में और अधिक इस्तेमाल की जाने की संभावना होती जा रही है। इसके अतिरिक्त कई महत्वपूर्ण तथ्य भी सामने आये हैं। उदाहरण के लिए एक अध्ययन से पता चला है कि 72 प्रतिशत पत्रकार अपने दैनिक कार्यो के निश्पादन में सोशल मीडिया को एक बहुत ही महत्वपूर्ण साधन मानते हैं। 56 प्रतिशत पत्रकार यह मानते हैं कि वे सोशल मीडिया के बगैर अपना कार्य ही नही कर सकते हैं। इसी प्रकार से 68 प्रतिशत पत्रकार यह स्वीकार करते हैं कि सोशल मीडिया के बगैर पत्रकारिता को किया ही नही जा सकता है। सोशल मीडिया का उपयोग एवं प्रभाव अन्य क्षेत्रों पर भी पड़ा है। उदाहरण के लिए जनसम्पर्क के क्षेत्र में कार्य करने वालों ने इसकी महत्ता को स्वीकार किया है। 85 प्रतिशत जनसम्पर्क के क्षेत्र में कार्य करने वालों का यह मानना है कि वे सोशल मीडिया का नियमित इस्तेमाल करते हैं। 81 प्रतिशत जनसम्पर्क व्यवसायियों का यह मानना है कि सोशल मीडिया के बगैर जनसम्पर्क किया ही नही जा सकता है। 55 प्रतिशत जनसम्पर्क व्यवसायी अपने कार्य को इसके बगैर कर ही नही सकते हैं। (Study impact of Social Media on News: more crowd-checking, less fact-checking, 2014)

आभासी दुनिया का उदय

न्यू मीडिया ने वर्तमान में एक आभासी दुनिया एवं समाज की उत्पत्ति कर दी है। इसमें लोग एक दूसरे के साथ लगातार सम्पर्क में रह सकते हैं और वे आपस में टैक्स्ट, आडियो, वीडियो आदि के माध्यम से संवाद भी कर सकते हैं। उन्हे आपस में समूह बनाने का अवसर भी मिला हुआ है। इस प्रकार के समूह को बनाने एवं उसमें भाग लेने की भी कोई सीमा नही है। वास्तव में न्यू मीडिया की सामाजिक अन्तर्क्रिया के नये नये प्रकार के पक्ष उभर करके सामने आने लगे हैं। जैसे–जैसे नये–नये प्रकार की टूल विकसित किये जाने लगे हैं, उसी के साथ ही लोगों की आपसी सम्पर्क सम्बन्ध के तौर तरीके भी बदल रहे हैं। इस आभासी दुनिया में आतंकवाद की भी उत्पत्ति देखी जा सकती है। इसका अपने ढंग से अलग प्रभाव पड़ रहा है। (Alan Malcher, 2016)

संचार के तरीके पर प्रभाव

न्यू मीडिया के कारण लोगों के संचार के तौर तरीके पर विविध प्रकार से प्रभाव पड़ा है। यह प्रभाव समाज पर पड़ने वाले आधारभूत प्रभावों में से एक है। वर्तमान में टैक्स्ट के माध्यम से आनलाइन बातचीत करना एक बहुत ही सामान्य प्रक्रिया बन गयी है। किन्तु इसी के साथ, विस्थापित संचार प्रक्रिया का भी उदय हुआ है। एक व्यक्ति द्वारा कही गयी बातों के सन्दर्भ में दूसरे व्यक्ति द्वारा तत्काल जवाब देना अब आवष्यक नही रहा है। इसलिए एक साथ काफी अधिक लोगों के साथ बातचीत करना संभव हो गया है। समूह संचार करना आसान हो गया है। नये माध्यमों ने संचार की भाशा को प्रस्तुत करने के तौर तरीके पर भी काफी प्रभाव डाला है। संचार की प्रक्रिया में यह बदलाव लगातार जारी है और यह अन्तिम तौर पर किस रूप में होगा, इसके बारे में अभी कुछ कहना संभव नही है। स्मार्टफोन संचार का एक बहुत ही महत्वपूर्ण नया उपकरण बन गया है। यह सभी प्रकार के संचार जैसे टैक्स्ट, आडियो एवं वीडियो का सम्मिलन है। (Lovemore Chokova, 2016)

सामाजिक प्रभाव

न्यू मीडिया का समाज पर बहुस्तरीय एवं बहुआयामी प्रभाव पड़ा है। यह मीडिया लोगों के सामाजिकरण में काफी महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है। संचार की सुविधा के कारण से सामाजिकरण की प्रकिया के नये तौर तरीके विकसित हुए हैं। लोगों को अपने उन मित्रों से एक बार फिर मिलने का अवसर मिला है जो कि बचपन के मित्र या फिर सहपाठी रहे हैं। इस प्रकार लोगों के सामाजिक दायरे का लगातार विस्तार होता जा रहा है। वर्तमान में अब लोगों को सोशल मीडिया पर बने रहने की सख्त आवष्यकता हो गयी है। भले ही यह कार्य किसी अन्य के माध्यम से ही क्यों न किया जा रहा हो। विविध अवसरों पर सोशल मीडिया के माध्यम से सन्देश को लेने एवं देने का अवसर मिल गया है। इस कारण से इस पर लोग विविध सामाजिक सन्देशों का बहुत ही जबरदस्त ढंग से आदान प्रदान करते हैं। सोशल मीडिया पर घटनाओं का सजीव प्रसारण होने लगा है।

राजनीति पर प्रभाव

नये माध्यम का राजनीति पर कई प्रकार से प्रभाव पड़ रहा है। सोशल मीडिया संचार के तौर तरीकों को काफी हद तक बदल करके रख दिया है। अब जनमाध्यमों पर काफी महॅगे विज्ञापन को देने के बजाय सोशल मीडिया के माध्यम से लोगों तक अपनी बातें पहुॅचाने का कार्य किया जाने लगा है। (Marry Kate Ray, 2010_) Five Ways New media are changing Politics, Marry Kate Ray, Feb 4, 2010,) वर्तमान में लोग काफी चयनित ढंग से कार्यक्रमों को देखते हैं। इसलिए इस पर विविध प्रकार के फार्मेट में लोगों को राजनीतिक सन्देश दिया जाना संभव हो गया है। विविध चुनावों में सोशल मीडिया की भूमिका को देखते हुए यह कहा जा सकता है कि राजनीतिज्ञों के लिए सोशल मीडिया का प्रबन्धन बहुत ही महत्वपूर्ण हो गया है। कई देशों में सोशल मीडिया के माध्यम से जन आन्दोलन भी खड़ा किया जा चुका है। (Jeny Q. Ta, 2014,) न्यू मीडिया पर कई प्रकार के राजनीतिक गतिविधियों की निर्भरता भी बढ़ती जा रही है। इस मीडिया पर राजनीतिक भागीदारी काफी अधिक होती जा रही है। यह चुनावों में राजनीतिक दलों के प्रदर्षन को भी प्रभावित कर रहा है। ऐसे तमाम दृश्टांत दिये जा सकते हैं, जिसमें कि सोशल मीडिया ने बहुत ही महत्वपूर्ण राजनीतिक भूमिका निभायी है। (Vineeta, 2016)

व्यापार एवं आर्थिक क्षेत्र में प्रभाव

न्यू मीडिया ने व्यापार के तौर तरीके पर भी काफी अधिक प्रभाव डाला है। यह व्यापार करने का स्वयं अपने आप में एक माध्यम बन गया है। अब वेब माध्यम पर किसी भी प्रकार के कारोबार करने वाले के लिए उपस्थित बनाये रखना अति आवष्यक हो गया है। वे इस पर अपने कारोबार के बारे में नवीनतम सूचनाओं को देते हैं और अपने उत्पाद की मार्केटिंग कर सकते हैं। यह लोगों के लिए विज्ञापन का भी एक बहुत ही महत्वपूर्ण साधन बन गया है। न्यू मीडिया का कारोबार भी स्वयं अपने आप में एक बहुत ही महत्वपूर्ण क्रिया कलाप बना हुआ है। इसने एक बहुत ही बड़ा उद्योग का रूप ले लिया है जो कि लगातार फैलता ही जा रहा है। यह सूचनाओं को तीव्र गति से एवं अधिक मात्रा में ले जा सकता है। (Miranda Morley, 2017) नये माध्यमों ने आर्थिक जगत पर कई प्रकार से प्रभाव डाला है। सूचनाओं के त्वरित प्रसार के कारण आर्थिक गतिविधियों की गति भी काफी बढ़ गयी हैं। ई–कामर्स का भी लगातार विस्तार होता जा रहा है। यह विज्ञापन एवं मार्केटिंग का एक महत्वपूर्ण साधन बन गया है। (Sagarmay Deb, 2014)

विकास का एक महत्वपूर्ण साधन

न्यू मीडिया का इस्तेमाल विकास कार्य को करने में किया जा रहा है। इसके माध्यम से विविध विभागों द्वारा सूचनाओं के सम्प्रेशण, प्रषासनिक प्रबन्धन एवं नियंत्रण का कार्य किया जाने लगा है। विभिन्न देशों की सरकारें न्यू मीडिया का उपयोग करके प्रषासनिक व्यवस्था को सही प्रकार से बनाने का कार्य कर रही हैं। ई–गवर्नेस के क्षेत्र में नये जनमाध्यमों का काफी अधिक इस्तेमाल किया जाने लगा है। इससे लोगों को विविध प्रकार की सूचनाएं एवं जानकारियॉ मिलने लगी हैं। सरकार द्वारा इसका काफी अधिक इस्तेमाल किया जा रहा है। इसके विभिन्न विभाग न्यू मीडिया के माध्यम से किसी भी प्रकार की सूचनाओं को लोगों तक पहुॅचाता है।

जनमाध्यमों के एकाधिकार में कमी

न्यू मीडिया ने जनमाध्यमों के एकाधिकार को कम किया है। इसने लोगों की सूचना के लेन देन के सन्दर्भ में जनमाध्यमों पर लोगों की निर्भरता को भी कम कर दिया है। यह भी कहा जा सकता है कि न्यू मीडिया जनमाध्यमों का ही एक अंग है। किन्तु न्यू मीडिया ने दो प्रमुख प्रकार के संचार को भी जन्म दिया है। इसके माध्यम से अन्तर्व्यक्ति संचार अर्थात एक एक व्यक्ति से संचार करने के साथ–साथ ही जनसंचार किया जाना संभव है। (Crosbie, 2002) उदाहरण के लिए ई–मेल के माध्यम से एक ही साथ बहुत बड़ी संख्या में लोगों से संचार किया जाना संभव है। वे समूह बना करके अपने लोगों के बीच सन्देश को दे सकते हैं। इस प्रकार उनका सन्देश सम्प्रेशण के लिए जनमाध्यमों पर निर्भरता बहुत ही कम हो गयी है।

अभिव्यक्ति का अवसर

न्यू मीडिया ने लोगों को अभिव्यक्ति का अवसर प्रदान किया है। इस पर लोग अपने विचारों को विविध ढंग से व्यक्त कर सकते हैं। इस पर वे न सिर्फ लिख करके, वरन् बोल करके या फिर अन्य प्रकार से भी अपने विचार व्यक्त करते हैं। वे किसी भी समसामयिक विषय पर अपने विचार रख सकते हैं और किसी विषय के पक्ष अथवा विपक्ष में विविध सामग्री, डॉक्यूमेंन्ट के साथ अपनी बातें कह सकते हैं। सोशल मीडिया पर लोग अपनी विविध कलाओं को प्रदर्षित एवं उसका विकास कर सकते हैं। अभिव्यक्ति का यह अवसर सब लोगों को एक समान ढंग से मिला है। यह उनके प्रचार का भी एक साधन है।

लोकतॉत्रिक संस्थाओं की मजबूती

नये माध्यमों ने लोकतॉत्रिक संस्थाओं को मजबूती प्रदान की है। इसके माध्यम उनके क्रिया कलाप में भी पारदर्षिता आयी है। अब लोगों की भागीदारी में भी काफी बढ़ोत्तरी हो गयी है। इस प्रकार इसने लोकतांत्रिकरण की प्रक्रिया में एक प्रभावी भूमिका निभायी है। वे अपने क्रिया कलापों को कही अधिक सक्रिय हो करके कर रहे हैं।

जानकारियों की उपलब्धता

नये माध्यम पर लोगों के लिए विविध प्रकार की जानकारियॉ उपलब्ध हैं। इस पर असंख्य मात्रा में सन्दर्भ सामग्री भी उपलब्ध हैं। अब विविध प्रकार की ऐसी साइट विकसित की गयी हैं, जो कि सम्बन्धित विषय पर तत्काल जानकारी प्रदान कर सकते हैं। इसके माध्यम से बहुत बड़ी संख्या में लोग ब्लॉग बना करके विविध विषयों पर काफी महत्वपूर्ण जानकारी दे रहे हैं।

लोगों के बारे में पता लगाने मे सहायक

सोशल मीडिया लोगों के बारे में विविध प्रकार की जानकारियों को देने में काफी मदद की है। पुलिस के लिए भी यह काफी उपयोगी बन गया है। इसके माध्यम से वे अपराधियों के बारे में विविध जानकारियों को एकत्र करते हैं। फेसबुक, ट्वीटर, इंस्टाग्राम आदि के माध्यम से पुलिस सम्बन्धित व्यक्ति के तौर तरीके, रूचि, रूझान आदि के बारे जानकारी प्राप्त करके अपराधियों का पता करते हैं।

अन्य उपयोग

सोशल मीडिया का उपयोग एक श्रृंखलाबद्ध ढंग से किया जाने लगा है। एक उपयोग से जुड़ करके दूसरे ढंग के उपयोग भी सामने आ रहे हैं। यह व्यक्ति को एक पहचान देने , उसकी कलाओं को विकसित होने, अपनी समस्याओं की जानकारी देने, स्थानीय एवं छोटे छोटे समूह बना करके आपस में संवाद करने, जनमत को तैयार करने, विविध प्रकार के राश्ट्रीय एवं अन्तर्राश्ट्रीय विषयों पर लोगों के विचार को सामने लाने आदि का कार्य कर रहा है।

न्यू मीडिया का नकारात्मक पक्ष

न्यू मीडिया के सामाजिक अन्तर्क्रिया के दौरान कई प्रकार के नकारात्मक पक्ष भी उभर कर सामने आ रहे हैं। विविध प्रकार के किये गये अध्ययन में इसके नकारात्मक प्रभाव की पुश्टि हो रही है। (Caroline Haythornthwaite, 2011) इस कारण से इसकी काफी निन्दा भी की जा रही है। यहॉ पर कुछ इसी प्रकार के महत्वपूर्ण पक्षों के बारे में चर्चा की जा रही है।

निजता को खतरा

निजता व्यक्ति का एक बहुत ही महत्वपूर्ण मामला है। इसकी रक्षा करने का उसे पूरा अधिकार है। किन्तु न्यू मीडिया के माध्यम से लोगों के कार्य व्यवहार सम्बन्धी निजी बातों का रिकार्ड रखा जा सकता है। बहुत सी कम्पनियों को इस प्रकार के डेटा की आवष्यकता होती है। इस कारण से गूगल आदि सर्च इंजन लोगों के बारे में विविध प्रकार की सूचनाओं को एकत्र करके स्वयं उपयोग करने के साथ उन्हे बेचती भी हैं। (Robert Siciliano, 2009)

सामाजिक एकाकीपन

सोशल मीडिया पर लोगों की सामाजिकता भले ही क्यों न बढ़ रही हो, किन्तु वास्तविक जीवन में यह काफी हद तक कम होने लगी है। न्यू मीडिया लोगों के जीवन के एक बहुत ही महत्वपूर्ण भाग पर कब्जा कर लिया है। इस कारण से समाज में लोग एक दूसरे से भौतिक तौर पर पास रहने के बावजूद वे आपस में दूर रहने लगे हैं। वह समय जिसमें कि वे एक दूसरे के साथ सामाजिक अन्तर्क्रिया कर सकते हैं, उस दौरान वे न्यू मीडिया के विविध उपकरणों पर व्यस्त रहते हैं। यह प्रक्रिया लगातार बढ़ती ही जा रही है।

पारिवारिक सम्बन्धों पर बुरा प्रभाव

न्यू मीडिया ने लोगों को एक दूसरे के साथ जोड़ने के साथ ही पारिवारिकतौर पर एक दूसरे से अलग भी कर रहा है अथवा उनमें दूरी उत्पन्न कर रहा है। परिवार में रहते हुए भी लोगों की एक दूसरे से अलग हो करके टैबलेट, स्मार्टफोन, कम्प्यूटर आदि पर अपने अपने ढंग से विविध प्रकार की गतिविधियों में व्यस्त रहने की आदत होती जा रही है।। इस कारण से भौतिकरूप से एक दूसरे के पास रहते हुए भी लोग मानसिक स्तर पर काफी दूर होते जा रहे हैं। (Siobhan McGrath,The impact of new media technologies in social interaction in the household, 2012)

डिजिटल डिवाइड

डिजिटल डिवाइड के अन्तर्गत समाज का एक वर्ग विविध प्रकार की न्यू मीडिया की सुविधाओं से वंचित हो रहा है। एक तरफ कुछ लोग विविध प्रकार की सूचनाओं को आसानी के साथ प्राप्त कर रहे हैं और डिजिटल मीडिया उनके विकास का एक बहुत ही महत्वपूर्ण साधन बन गया है। किन्तु दूसरी तरफ, समाज का एक बहुत बड़ा वर्ग ऐसा है जो कि इससे दूर है। वह इसका लाभ नही ले पा रहा है।

एक अध्ययन में यह पाया गया है कि समाज में डिजिटल डिवाइड अभी भी काफी अधिक है। भिन्न भिन्न देशों में तो इसे भिन्न भिन्न प्रकार से भी परिभाशित किया गया है । अमेरिका जैसे देश में तो इसका मानक का तरीका ब्रॉडबैंड की उपलब्धता को माना गया है। उदाहरण के लिए 2013 में अमेरिका में 71 प्रतिशत घरों में ब्रॉडबैंड था। इस प्रकार जिन घरों में यह नही है, वे डिजिटल डिवाइड के अन्तर्गत आते हैं। (Margaret Rouse, Digital Divide, 2014)

झूठे एवं भ्रामक खबरों की बहुलता

न्यू मीडिया के माध्यम से विविध प्रकार के झूठे एवं भ्रामक खबरों को फैलाया जाता है। यह कार्य व्यक्तिगत् स्तर से करके संगठित स्तर पर किया जा रहा है। इस कारण समाज में काफी वैमनस्य एवं विवाद भी होता रहा है। कई बार असामाजिक तत्वों द्वारा काफी संगठित हो करके प्रचारित किये गये झूठे समाचार सरकार एवं समाज के लिए बहुत ही समस्याएं खड़ी कर देते रहे हैं । यह किसी प्रकार की झूठी बात को बहुत ही तीव्र गति से वायरल कर देता है।

मानहानिपरक पोस्ट –सोशल मीडिया पर टैक्स्ट, आडियो, वीडियो आदि रूपों में विविध प्रकार के मानहानिपरक पोस्ट किये जाने लगे हैं। लोगों को ब्लैकमेल करने के बारे में समाचार आये दिन जनमाध्यमों में प्रसारित होते रहते हैं। यह एक प्रकार से अपराध है और लोगों के लिए समस्या का एक कारण भी है।

अष्लीलता में वृद्वि

न्यू मीडिया और विशेष करके सोशल मीडिया ने अष्लीलता को काफी बढ़ावा दिया है। किसी भी गलत इरादे वाले व्यक्ति के लिए यह काफी सहज एवं सरल है कि वे विविध प्रकार के अष्लील सामग्री को नये मीडिया के माध्यम से काफी बड़े क्षेत्र में बहुत ही आसानी के साथ प्रसारित दें। इस प्रकार की अष्लीलता का दुश्प्रभाव बच्चों एवं युवाओं पर विशेषतौर पर देखने में आया है। इसके बारे में किसी प्रकार का कोई बहुत प्रभावी कानून भी नही बनाया जा सका है, जिससे कि इसके प्रसार को सही ढंग से रोका जा सके।

कापीराइट का उल्लंघन

डिजिटल मीडिया पर लोगों द्वारा तैयार किये गये विविध प्रकार के कापीराइटयुक्त सामग्री पोस्ट की गयी रहती है। किन्तु वहीं इस पर दूसरे लोगों द्वारा कापीराइट के उल्लंघन के घटनाएं भी काफी अधिक मात्रा में की जाती हैं। कापीराइट के उल्लंघन करना इस माध्यम पर कहीं अधिक आसान एवं सुगम है। इसके सकारात्मक एवं नकारात्मक पक्ष हो गये हैं। इसके बारे में काफी अध्ययन भी किये जाते रहे हैं जिससे कि इसके नये पक्षों के बारे में जानकारी प्राप्त होती है। **(**Pamela, Vaughan, 2013)

सामाजिक वैमनस्यता

न्यू मीडिया और विशेष करके करके सोशल मीडिया पर विविध प्रकार की ऐसी सामग्री एवं पोस्ट की जाने लगी हैं जो कि तीव्र गति से स्थानीय स्तर से ले करके अन्तर्राष्ट्रीय स्तर तक फैल जाती हैं। इसके कारण समाज में वैमनस्यता का भाव पैदा होता है। इस प्रकार की वैमनस्यता धार्मिक, सामाजिक एवं राजनीतिक पक्ष के विविध पहलू पर की जाने लगी है। इस कारण से कानून व्यवस्था से ले करके सामाजिक समरसता एवं व्यक्तिगत् जीवन पर इसका बुरा प्रभाव दिखता है।

छात्रों पर प्रभाव

न्यू मीडिया पर दिखाये जा रहे विविध प्रकार की सामग्री के कारण छात्रों के अध्ययन पर बहुत बुरा प्रभाव पड़ने लगा है। वे किसी विषय पर केन्द्रित नही हो पाते हैं और इस कारण से वे स्वअध्ययन भी सही प्रकार से नही

कर पाते हैं। विविध प्रकार के विषय सामग्री के खोज के दौरान उनकी इस पर निर्भरता इस ढंग से हो जा रही हैं कि वे स्वअध्ययन कार्य करने के बजाय अन्य प्रकार की ऐसी गतिविधियॉ करने लगते हैं जो कि उनके कैरियर पर बुरा प्रभाव डालता है। (Lisa Griffin, 2017)

अपराध में बढ़ोत्तरी

न्यू मीडिया अपराध करने का भी एक बड़ा साधन बन गया है। यह अपराध के नये तौर तरीके भी विकसित किया है। अपराधी प्रवृत्ति के लोग इसकी मदद से इससे विविध प्रकार के अपराध करने लगे है। इसके माध्यम से वे विविध प्रकार के अपराध करने के लिए प्रेरित होते हैं। साइबर अपराध एक अलग प्रकार की अपराध की दुनिया बन गया है, जिससे निपटने के लिए दुनिया भर की सरकारों को कानून बनाने एवं अपराध नियंत्रक इकाई के गठन की आवष्यकता बन गयी। आतंकियों के लिए भी यह उनके अपने प्रचार का एक बहुत ही महत्वपूर्ण साधन बना हुआ है। आतंकी गतिविधयों का भी यह एक साधन बन गया है। (Chris Greer , 2007)

स्वास्थ्य पर प्रभाव

न्यू मीडिया का स्वास्थ्य पर भी बहुत बुरा प्रभाव पड़ता है। यह प्रभाव विविध प्रकार से होता है। कम्प्यूटर स्क्रीन एवं स्मार्टफोन स्क्रीन पर लगातार नजर डालने के कारण ऑख पर बुरा असर पड़ता है। (Rosa Rios, 2016) इस प्रकार के तकनीकों के इस्तेमाल करने के कारण बच्चों की षारीरिक गतिविधियॉ कम हो जाती हैं। इस कारण से वे मोटे हो जाते हैं। वे डायबिटीज पीठ दर्द, घुटने का दर्द, अनिद्रा, फेफड़े की समस्या, मानसिक अवसाद के मरीज बन जाते हैं। किन्तु यह प्रभाव मानसिक स्थिति पर भी विविध प्रकार से पड़ रहा है। लोग विविध ढंग की मनोवैज्ञानिक समस्याओं के षिकार हो रहे हैं।

सांस्कृतिक हमला

नयी सूचना तकनीक के कारण एक संस्कृति का दूसरी संस्कृति पर प्रभाव पड़ रहा है। इस मामले में सूचना तकनीक की दृश्टि से अग्रिम देशों की संस्कृतियों का सूचना तकनीक की दृश्टि से पिछड़े राश्ट्र पर काफी जबरदस्त प्रभाव डाल रहे हैं। (Ewelle Richard, 2011) दुनियॉ के कई देशों द्वारा इसका काफी विरोध भी किया जाने लगा है। इस पक्ष पर बहुत सी पुस्तकों में विस्तार से बातें दी गयी हैं। न्यू मीडिया लोगों के व्यवहार, तौर तरीके, बातचीत आदि का निर्धारण करके एक नये संस्कृति को विकसित कर रहा है। तकनीकों के कारण सॉस्कृतिक बदलाव भी इस प्रकार से हो रहे हैं, जो कि कई मायनों में नकारात्मक है। (Pradeep Mathur, 2006)

बेरोजगारी

सूचना तकनीक ने कई प्रकार के कार्यो को सिमटा दिया है। (Ewelle Richard, 2011) इस कारण से बेरोजगारी की भी समस्या पैदा हुई है। यद्यपि नये माध्यमों के कारण रोजगार के अवसर भी बढ़े हैं, किन्तु इसके प्रभाव में आ करके बहुत से लोगों को बेरोजगार भी होना पड़ा है। इस प्रकार पारम्परिक तौर पर किये जाने वाले कई प्रकार के क्रिया कलाप न्यू मीडिया तकनीक के कारण से समाप्त होने लगे हैं।

नये विषयवस्तु को तैयार करने की समस्या

नई सूचना तकनीक के कारण विषयवस्तु के प्रसारण के अवसर काफी अधिक बढ़े हैं। अब विविध प्रकार के विषयों पर सामग्री की आवष्यकता पड़ रही है, जिससे कि इसे अच्छे ढंग से इस्तेमाल किया जा सकें । यह भी देखने में आया है कि कई बार एक ही प्रकार की सूचना एवं जानकारी बार बार दोहरायी जाती है। नये विषयवस्तु नही तैयार हो पाते हैं। यह एक समस्या बनती जा रही है।

शोध कार्य करने की आवष्यकता

नये मीडिया के प्रभाव को जानने समझने के लिए इसके बारे में लगातार शोध कार्य की भी आवष्यकता है। इस प्रकार के शोध कार्य से इसके प्रवृत्ति, प्रभाव एवं विषयवस्तु आदि के बारें में जानने एवं न्यू मीडिया को सही दिशा में ले जाने में मदद मिल सकती है। इस प्रकार के शोध मीडिया उद्योग को बढ़ाने के लिए भी आवष्यक है। इस ढंग के शोध हेतु नये रिसर्च टूल आवष्यक है। (Sean Aday, Henry Farrell, Marc Lynch, and John Sides , United States Institute of Peace , Special Report, 2010)

समस्याओं से निपटने की चुनौती

नये माध्यमों ने समाज पर जिस प्रकार से नकारात्मक प्रभाव डाला है, उससे निपटने की भी एक चुनौती आ खड़ी हुई है। इसका सामना करने के लिए उपाय किये जाने की आवष्यकता है, अन्यथा वे अपने ढंग से समाज पर नकारात्मक प्रभाव में वृद्धि करते जा रहे हैं। (Peter Swire, 2009)

यहॉ पर इन सब प्रभावों के बारे में जो कुछ भी बातें कही गयी है, वह अपने आप में पूर्ण नही है, क्योकि इसके नये नये पहलू भी सामने आने लगे हैं। समाज के विविधता के साथ ही इसके प्रभाव की भी विविधता होती है। जिस प्रकार से नये नये सुविधायुक्त सूचना उपकरण विकसित हो रहे हैं, उसी के साथ नये नये प्रभाव भी दिख रहे हैं। इसका सकारात्मक एवं नकारात्मक प्रभाव विविध स्तरों पर पड़ा है। आने वाले दिनों में इसका और विविध स्वरूप उभर करके सामने आने की उम्मीद है। अतः इस क्षेत्र में शोध की आवष्यकता लगातार बनी हुई है।

निष्कर्श

इस शोध लेख में नये माध्यमों के समाज पर पड़नें वाले प्रभाव के बारे में चर्चा की गयी है। इस विश्लेषण से स्पष्ट है कि नये माध्यमों के उद्भव के साथ ही विविध प्रकार के अवसर एवं चुनौतियॉ भी सामने आने लगी हैं। जीवन का कोई ऐसा क्षेत्र नही है जो कि इससे अछूता रहा है। समाज के भिन्न भिन्न वर्गो पर इसका प्रभाव भी भिन्न भिन्न ढंग से पड़ रहा है। यह प्रभाव सकारात्मक एवं नकारात्मक दोनों प्रकार से है। किन्तु सकारात्मक ढंग से पड़ने वाला प्रभाव नकारात्मक ढंग से पड़ने वाले प्रभाव से कही ज्यादा है। समय के साथ जैसे–जैसे इसके उपयोग के दायरे में बढ़ोत्तरी होती जायेगी, उसी के साथ इसके नकारात्मक पक्ष का दायरें में भी वृद्धि की आषंका बन रही है।

सुझाव

नये माध्यमों का सही प्रकार से उपयोग किये जाने के लिए यह आवष्यक है कि इसके सकारात्मक पक्षों के बारे में और शोध कार्य किया जाये जिससे कि उसका प्रभावी एवं और बेहतर ढंग से इस्तेमाल हो सके। इसी के साथ इसके नकारात्मक प्रभाव से बचनें के लिए यह आवष्यक है कि इसके नकारात्मक पक्षों के बारे में लोगों को जागरूक किया जाये, जिससे कि उसके प्रभाव को कम किया जा सके। इस प्रकार के नकारात्मक प्रभाव को कम करने के लिए हर स्तर पर समुचित प्रयास किये जाने की जरूरत है।

अध्ययन की सीमा – न्यू मीडिया के प्रभाव क्षेत्र के विस्तार को ध्यान में रखते हुए इसकी सीमा बनाना आवष्यक हो गया। इस तथ्य को ध्यान में रखते हए इस अध्ययन की निम्न सीमा रखी गयी है –

1. इस अध्ययन में प्रस्तुत किया गया विश्लेषण एक समय विशेष तक उपलब्ध जानकारी पर आधारित है।
2. यह विश्लेषण के लिए उपयोग में लाये गये तथ्य मुख्यतः द्वितीयक सामग्री पर आधारित हैं।
3. यह प्रभाव विश्लेषण किसी एक क्षेत्र एवं समूह विशेष की बजाय समग्र रूप में किया गया है।
4. प्रस्तुत शोध लेख में न्यू मीडिया के प्रभाव के विविध क्षेत्र में दिख रहे व्यावहारिक प्रभाव के बारे में चर्चा की गयी।
5. यह विश्लेषण सूक्ष्म स्तर पर करने के बजाय वृहद् स्तर पर किया गया है।

सन्दर्भ ग्रंथ सूची

1. *AIMAI report) published in Economic Times , Internet users to touch 420 million by June 2017: IAMAI report By ,Surabhi Agarwal , ET Bureau May 02, 2017, 04.10 PM IST , http://economictimes.indiatimes.com/articleshow/58475622.cms?utm_source=contentofinterest&utm_medium=text&utm_campaign=cppst*
2. *2014 Study impact of Social Media on News: more crowd-checking, less fact-checking,https://www.ing.com/Newsroom/All-news/NW/-2014-Study-impact-of-Social-Media-on-News-more-crowd-checking-less-fact-checking.htm*
3. *Alan Malcher , The Virtual World of Modern Terrorism: Social Media Mapping to Understand Behaviour , Publisher- Create Space Independent Publishing Platform , December 27, 2016*
4. *Alyce McGovern and Sanja Mllvojevic , Social media and crime : the good ,the bad and the ugly, October 16,2016 , www.the conversation.com*
5. *Brain Winston, Media Technology and Society, Routledge,1998*
6. *Caroline Haythornthwaite, Strong, Weak, and Latent Ties and the Impact of New Media, Pages 385-401 | Published online: 19 Jan 2011, https://doi.org/10.1080/01972240290108195*
7. *Chris Greer , News Media, Victims and Crime, Sage. 2007*
8. *Ewelle Richard , The Most Important Effects Of Information Technology On The Society, Hi-Tech Platform, April 3, 2011*
9. *Global social media research summary, 2017*
10. *International Journal of Humanities and Social Science Invention ISSN (Online): 2319 – 7722, ISSN (Print): 2319 – 7714 www.ijhssi.org Volume 3 Issue 6 ǁ June. 2014ǁ PP.56-64 www.ijhssi.org 56 | Page, Impacts OF Media on Society: A Sociological Perspective. 1,Hakim Khalid Mehraj, 2,Akhtar Neyaz Bhat ,3, Hakeem Rameez Mehraj Lecturer1, Govt.College Baramulla*
11. *Jacob Amedie ,Pop Culture Intersections , The Impact of Social Media on Society, Santa Clara University, September 2, 2015*
12. *Jeny Q. Ta What Impact Has Social Media Truly Had on Society , August 13,2014, www.business2communityc.om)*
13. *Lavanya Rajendran and Preethi The Singharaja ,The Impact of new Media on Traditional Media , Middle East Journal of Scientific Research, 22 (4) , 2014*
14. *Lisa Grifin The Impact of Social Media on Student's Life, 2017, https://www.youniversitytv.com/colleges/the-impact-of-social-media-on-students-life/*
15. *Lovemore Chokova, Effect of new media on traditional media , June 2 , 2016 , http://www.herald.co.zw*
16. *Margaret Rouse, Digital Divide, www.whats.techtarget.com updated in June 2014*
17. *Margaret Rouse, Digital Divide, www.whats.techtarget.com updated in June, 2014*
18. *New media ensuring the emergence of new politics in India , BJP, National General Secretary Ram Madhav's address to the Harvard India Forum at Harvard University. March 11, 2015 https://m.rediff.com/news/column/new-media-ensuring-the-emergence-of-new-politics-in-india/20150311.htm*
19. *Pamela Vaughan,Copyright Law on the Internet Is a Total Train Wreck Right Now, 2013*
20. *Prof. Pradeep Mathur, Indian Media Studies Journal •Media, Technology and Rural Development, Vol.1 • No.1. July-Dec. 2006.*
21. *Robert Siciliano, Social Media Privacy and Personal, Security Issues, 08/28/2009 05:12 am ET, Updated May 25, 2011*
22. *Rosa Rios, Positive negative effects of Media on Children's Health, Health communication blog, August 2016, www.comm.soc.northwesren.edu)*
23. *Sagarmay Deb , Information Technology, Its Impact on Society and Its Future, Advances in Computing , 2014; 4(1): 25-29*
24. *Sean Aday, Henry Farrell, Marc Lynch, and John Sides , United States Institute of Peace , Special Report, 2010)*
25. *Singh , Arvind Kumar , Internet and New media Technology, 2016*
26. *Siobham McGrath, New Media Technology on the Social Interaction in the Household, in The Impact Of New Media Technologies On Social Interaction, Siobhan Mcgrath, 2012*
27. *Six New Media Challenges, Legal and Policy Considerations for Federal Use of Web 2.0 Technology, By Peter Swire Posted on June 1, 2009*
28. *The Positive & Negative Impact of Digital Media on Business by Miranda Morley 2017 , http://smallbusiness.chron.com/positive-2negative-impact-digital-media-business*
29. *Vineeta , Social Media and its Impact on Politics, March 10, 2016, www.mapsofindia.com*